भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3794 का उत्तर

रेलवे में ट्रैकमैनों के समक्ष चुनौतियाँ

3794. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि रेलवे में 'ट्रैकमैनों' को अपर्याप्त सुरक्षा उपायों, भारी कार्यभार और करियर में प्रगति के सीमित अवसरों सहित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरे सहित वर्तमान में रेलवे में कुल कितने 'ट्रैकमैन' नियोजित हैं और इस श्रेणी में कितने पद रिक्त पड़े हैं;

(ग) सरकार द्वारा विशेषकर विषम मौसम परिस्थितियों और रात की पारियों के दौरान 'ट्रैकमैनों' की कार्य दशा और सुरक्षा में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार की 'ट्रैकमैनों' की कार्यकुशलता बढ़ाने और शारीरिक तनाव को कम करने के लिए उन्हें प्रदान किए जाने वाले साधनों और उपकरणों के आधुनिकीकरण की कोई योजना है;

(ङ) 'ट्रैकमैनों' की शिकायतों का समाधान करने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है, जिनमें वेतन असमानता, पदोन्नति और कल्याणकारी उपाय शामिल हैं; और

(च) क्या सरकार 'ट्रैकमैनों' को उनके कर्तव्यों में सहायता प्रदान करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेलपथ अनुरक्षक भारतीय रेल परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं जो गाड़ियों के संरक्षित परिचालन के लिए रेलपथ को उपयुक्त रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय रेल ने रेलपथ अनुरक्षकों की कार्य करने की अवस्थाओं में सुधार लाने के लिए निम्नानुसार अनेक उपाय किए हैं:

(i) जोखिमपूर्ण वातावरण में कार्य करते समय रेलपथ अनुरक्षकों को अनिवार्य संरक्षा गियरों से सज्जित किया गया है। उन्हें रेट्रो रिफ्लेक्टिव सेफ्टी जैकेट (चमकदार वेस्ट), सेफ्टी शूज, दस्ताने, डिटैचेबल माइनर्स लाइट सहित सेफ्टी हेलमेट, ट्राइकलर लाइट एमिटिंग डायोड (एलईडी) 3 सेल वाली टॉर्च, रेन कोट, विंटर जैकेट आदि जैसे प्रमुख संरक्षा संबंधी उपकरण मुहैया कराए गए हैं।

(ii) रेलपथ अनुरक्षकों की दक्षता बढ़ाने और शारीरिक तनाव को कम करने के लिए, हल्के वजन के उपकरण और स्पैनर, हैमर, क्रॉबार आदि जैसे उपकरण मुहैया कराए गए हैं।

(iii) मैनुअल प्रयासों को कम करने के लिए विभिन्न प्रकार की रेलपथ मशीनों का उपयोग करके रेलपथों का मशीनीकृत अनुरक्षण शुरू किया गया है।

(iv) इसके अतिरिक्त, संरक्षा पद्धतियों को सुदृढ़ बनाने के लिए संभावित जोखिमों और उचित संरक्षा संबंधी प्रोटोकॉलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित परामर्श, प्रशिक्षण सत्र और चिकित्सा जांच आयोजित की जा रही हैं। सेमिनारों और कार्यशालाओं के माध्यम से "सर्वप्रथम व्यक्तिगत संरक्षा" कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जहां रेलपथ अनुरक्षकों को रेलपथ पर या उसके निकट कार्य करते समय सुरक्षित रहने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

(v) भारतीय रेल द्वारा दो और पदोन्नति श्रेणी ग्रेड की शुरूआत करके रेलपथ अनुरक्षक संवर्ग के कैरियर प्रोन्नयन और पदोन्नति के मुद्दों का समाधान करने के लिए भी उपाय किए गए हैं जिससे पदोन्नति के लिए चार ग्रेड सुनिश्चित किए गए हैं।

(vi) उपर्युक्त के अलावा, सामान्य विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (जीडीसीई) और सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (एलडीसीई) के माध्यम से पदोन्नति के लिए अतिरिक्त अवसर उपलब्ध हैं।

वेतन में कोई असमानता नहीं है क्योंकि रेलपथ अनुरक्षकों के विभिन्न स्तरों के लिए वेतन और भत्ते सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार हैं। इसके अतिरिक्त, रेलपथ अनुरक्षकों की ड्यूटी की प्रकृति के अनुसार जोखिम और कठिनाई भत्ते भी प्रदान किए गए हैं।

जहां तक रेलपथ अनुरक्षकों के कल्याण का संबंध है, उन्हें शिक्षा और आश्रितों के स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए गैंग टूल्स कम रेस्ट रूम, गैंग हट्स, चौकीदार वाले समपारों पर शौचालय की सुविधाएं, पानी की बोतल (2 लीटर, हीट इंसुलेटेड), परिवार के लिए आवास मुहैया कराए गए हैं।

भारतीय रेल पर रिक्तियों का होना और उन्हें भरा जाना इसके आकार, स्थानिक वितरण और परिचालन के महत्व को ध्यान में रखते हुए सतत् प्रक्रिया है। नियमित परिचालनों,

प्रौद्योगिकी में परिवर्तनों, यांत्रिकीकरण और नवोन्मेषी पद्धतियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति प्रदान की जाती है। रिक्तियों को मुख्यतः रेलवे द्वारा आवश्यकतानुसार भर्ती एजेंसियों को मांग-पत्र देकर भरा जाता है। वर्तमान में, भारतीय रेल में 2.19 लाख से अधिक रेलपथ अनुरक्षक कार्यरत हैं।

वर्ष 2014-24 की तुलना में वर्ष 2004-14 के दौरान भर्ती किए गए रेलपथ अनुरक्षकों सहित जनशक्ति का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

अवधि	भर्तियां
2004-14	4.11 लाख
2014-24	5.02 लाख

*****